ॐ जय शिव ओमकारा | By Lakhbir Singh Lakha |

जय शिव ओंकारा,
हर जय शिव ओमकारा ।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव,
भोले भोलेनाथ महाशिव
अर्द्धांगी धारा
ॐ हर हर हर महादेव

एकानन चतुरानन पंचानन राजे ।
हंसानन गरूड़ासन
हंसानन गरूड़ासन
वृषवाहन साजे ॥
ॐ हर हर हर महादेव

दो भुज चार चतुर्भुज दसभुज अति सोहे ।
तीनो रूप निरखता
शिव जी को रूप निरखता
त्रिभुवन जन मोहे
ॐ हर हर हर महादेव

अक्षमाला वनमाला मुण्डमाला धारी ।
चन्दन मृग मद चंदा
केसर मृग मद चंदा
भाले शुभकारी
ॐ हर हर हर महादेव

श्वेतांबर पीतांबर बाघंबर अंगे ।
सनकादिक प्रभुता दिक्
सनकादिक प्रभुता दिक्
देवआदिक संगे
ॐ हर हर हर महादेव

कर मध्य कमंडलु चक्र त्रिशूल धरता
जगकर्ता दुखहर्ता
सुखकरता दुखहर्ता
जगपालन करता
ॐ हर हर हर महादेव

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका ।
प्रणवाक्षर ॐ मध्य
प्रणवाक्षर ॐ मध्य
ये तीनो एका
ॐ हर हर हर महादेव

काशी में विश्वनाथ विराजत नन्दो ब्रम्हा चारि
नित उठ भोग लगावत
शिव जी को भोग लगावत
सेवत नर नारी
ॐ हर हर हर महादेव

त्रिगुणस्वामी जी की आरति जो कोइ नर गावे ।
कहत शिवानंद स्वामी
कहत भोलानंद स्वामी
मनवांछित फल पावे
ॐ हर हर हर महादेव

जय शिव ओंकारा,
हर जय शिव ओमकारा ।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव,
भोले भोलेनाथ महाशिव
अर्द्धांगी धारा
ॐ हर हर हर महा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a5%90-%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%93%e0%a4%ae%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-lakhbir-singh-lakha/